पीडियाट्रिक एंडोक्रिनोलॉजी तथ्य चार्ट
ट्रांसजेंडर महिलाओं के लिए नारी-करण उपचार

नारी-करण उपचार क्या होता है?

कुछ ट्रांसजेंडर महिलाएं (वे व्यक्ति जिनके जन्म के समय उनका लिंग पुरुष निर्धारित किया गया था और वे स्वयं की पहचान नारी लिंग से करते हैं), किशोरावस्था और वयस्क अवस्था के दौरान दवाओं का उपयोग करके या सर्जरी द्वारा शारीरिक बदलाव करवाने का निश्चय ले सकते हैं । ये बदलाव उनके भौतिक शरीर को नारी लिंग की पहचान दे सकते हैं । नारी-करण उपचार पीडियाट्रिक एंडोक्राइन सोसायटी द्वारा उन किशोर और वयस्क व्यक्तियों के लिए सुझाया गया है, जिन्हें लिंग डिस्फोरिया है ।

नारी-करण उपचार किसको मिलना चाहिए?

नारी-करण उपचार सिर्फ उन ट्रांसजेंडर महिलाओं के लिए इस्तेमाल किया जाना चाहिए जिन्होंने अपने चिकित्सक के साथ सम्पूर्ण विचार-विमर्श करके यह तय किया है कि, वे दवाइयों के जरिए से अपने भौतिक शरीर में बदलाव करना चाहते हैं । कुछ ट्रांसजेंडर महिलाएं इस प्रकार का नारी-करण उपचार नहीं भी करवाते ।

ट्रांसजेंडर किशोर लड़कियों को इस उपचार के तहत एस्ट्रोजन हार्मोन दिया जाता है, जिससे उनमें नारी यौवन के चिन्ह दिखने शुरू हो जाते हैं । एस्ट्रोजन हार्मोन व्यस्क अवस्था में भी जारी रखा जाता है ।

नारी-करण उपचार कैसे किया जाता है?

एस्ट्रोजन हार्मोन के द्वारा शरीर में नारी यौवन के चिन्ह प्रकट किये जाते हैं । एस्ट्रोजन अलग-अलग रूपों में उपलब्ध है । एस्ट्रोजन को गोली की तरह (दिन में एक या दो बार) या फिर पैच की तरह (हफ्ते में एक या दो बार) इस्तेमाल किया जा सकता है । एस्ट्रोजन के टीके भी उपलब्ध हैं (हफ्ते में एक या दो बार) ।

अपनी बीमा कंपनी से संपर्क करके पता लगाएं की किस प्रकार का एस्ट्रोजन उपचार बीमा द्वारा रक्षण किया जाएगा ।

नारी-करण उपचार के अपेक्षित प्रभाव क्या होते हैं?

एस्ट्रोजन हार्मोन से स्तन का विकास होता है । स्तन का पूर्ण विकास होने में 2 से 3 साल लग सकते हैं । यदि एस्ट्रोजन हार्मोन बंद कर दिया जाए, तब भी विकसित हुए स्तन मौजूद रहेंगे । एस्ट्रोजन हार्मोन की वजह से देखे जाने वाले बाकी बदलाव हैं: मुलायम त्वचा, कम मांसपेशियां और मांसपेशियों की शक्ति कम होना । शारीरिक बाल बढ़ने कि गति कम हो सकती है, परंतु पूर्णतया रूकती नहीं है । कूल्हों और जांघों पर ज्यादा मोटापा देखा जा सकता है । एस्ट्रोजन हार्मोन से आवाज पर या टेंटुए के आकार पर कोई प्रभाव नहीं पड़ता । यदि ट्रांसजेंडर किशोर लड़की का पुरुष यौवन पूर्ण नहीं हुआ था, तो एस्ट्रोजन हार्मोन से उसकी लम्बाई कम रह सकती है ।

एस्ट्रोजन हार्मोन लेने से टेस्टोस्टेरोन हार्मोन का उत्पादन कम हो जाता है । एस्ट्रोजन से प्रजनन क्षमता पर भी असर पड़ सकता है । एस्ट्रोजन हार्मोन बंद करने के बाद भी शुक्राणु बनाने की क्षमता वापस न आने की संभावना रहती है । इसके बावजूद, सेक्स के दौरान गर्भनिरोधक का उपयोग करना अनिवार्य है । प्रजनन क्षमता को बनाए रखने के साधन (जैसे कि शुक्राणु संरक्षण) अपने चिकित्सक के साथ चर्चा करें ।

नारी-करण उपचार के दुष्प्रभाव क्या हो सकते हैं?

एस्ट्रोजन हार्मोन लेने से खून के थक्के होने की संभावना है । यह थक्के फेफड़ों, दिमाग या दिल में जा सकते हैं और इससे स्ट्रोक या दिल का दौरा भी पड़

सकता है । धूम्रपान करने से थक्के होने की संभावना बढ़ जाती है । एस्ट्रोजन हार्मोन से मधुमेह, दिल की बीमारी और ऊंचा रक्तचाप भी हो सकता है । सिर में दर्द, माइग्रेन या उल्टियां भी हो सकती हैं । कभी कभी, स्तन से दूधिया निर्वहन हो सकता है ।

चिकित्सक द्वारा निर्धारित की गई खुराक से ज्यादा एस्ट्रोजन हार्मोन न लें । ज्यादा खुराक लेने से शारीरिक बदलाव ज्यादा या जल्दी नहीं होगा ।

नारी-करण सर्जरी के क्या विकल्प हैं?

हर ट्रांसजेंडर महिला को सर्जरी की इच्छा या जरूरत नहीं होती । कुछ ट्रांसजेंडर महिलाएं स्तन की वृद्धि, या टेंटुए को हटाने की सर्जरी करवाते हैं । लिंग और वृषण को हटाकर, अंडाशय, योनि एवं लेबिया बनवाने की सर्जरी भी करवाई जा सकती है । 18 साल की उम्र से पहले किसी भी प्रकार की सर्जरी करवाने की मंजूरी नहीं है ।

यह जानकारी पीडियाट्रिक एंडोक्राइन सोसायटी के मरीज शिक्षा अनुभाग की सहायता से छपी है ।

PES PEDIATRIC ENDOCRINE SOCIETY